भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *136

(दिनांक 04.12.2024 को उत्तर देने के लिए)

वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए मीडिया अभियान

***136. डॉ. धर्मवीर गांधी:**

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और समाज में अंधविश्वास को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से कोई मीडिया अभियान चलाया है;

(ख) यदि हां, तो इन अभियानों की पहुंच, अवधि और इनके अंतर्गत कवर किए गए विषयों सहित इनका ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या और अधिक जागरूकता अभियान बनाने के लिए वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जाने-माने लोगों के साथ काम करने की कोई योजना है और यदि हां, तो इसके अपेक्षित परिणाम क्या हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 04.12.2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *136 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ग): विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) अपने प्रमुख कार्यक्रमों जैसे राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (एनसीएससी), इनिशिएटिव फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन इन एसटीएम (आईआरआईएस) और इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (आईएनएसपीआईआरई) - मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशंस एंड नॉलेज (एमएएनएके) के माध्यम से 10-17 वर्ष आयु के स्कूली छात्रों के बीच वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक साक्षरता को विकसित करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को लोकप्रिय बना रहा है।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के तत्वावधान में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के सहयोग से स्कूली छात्रों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए जिज्ञासा कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, जो छात्रों को वैज्ञानिकों से जोड़ता है। यह पहल स्कूली छात्रों के लिए कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को प्रयोगशाला आधारित शोध शिक्षा तक विस्तारित करती है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग इंस्पायर-स्कॉलरशिप फॉर हायर एजुकेशन (एसएचई) के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों/विश्वविद्यालयों में स्नातक और परास्नातक कार्यक्रम करने वाले कॉलेज के छात्रों को भी सहायता प्रदान करता है। एसटीईएम (विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग गणित) के विभिन्न पाठ्यक्रमों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने 2019-20 में विज्ञान ज्योति की शुरुआत की, ताकि लड़कियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनुकूल और सक्षम वातावरण प्रदान किया जा सके।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग देश में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषदों के माध्यम से राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में प्रतिवर्ष क्रमशः 28 फरवरी और 22 दिसंबर को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी) और राष्ट्रीय गणित दिवस (एनएमडी) का आयोजन करता है। इन पहलों में इंटरैक्टिव स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) कार्यक्रम, विज्ञान मेले, रोबोटिक्स हैकथॉन, ओपन हाउस आदि शामिल हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग वैज्ञानिक सिद्धांतों के माध्यम से चमत्कारों और अंध विश्वासों को दूर करने के लिए देश के विभिन्न जिलों में परियोजनाओं का समर्थन करता है।

जिला स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न एसटीईएम प्रदर्शन और लोकप्रियकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें 50 लाख से अधिक छात्र शामिल होते हैं। एसटीईएम को लोकप्रिय बनाने और एनएसडी और एनएमडी पर वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षकों और सार्वजनिक हस्तियों के व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत प्रकाशन विभाग, समाज में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा देने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और लेखों को प्रकाशित करने के लिए वैज्ञानिकों और शिक्षकों के साथ काम करता है।